प्रकाशक की ओर से

जब तक स्पैन का यह अंक आपके हाथों में पहुंचेगा तब तक अमेरिकी अपने देश के अगले राष्ट्रपति के चुनाव की जटिल और विस्तृत प्रक्रिया में जुट चुके होंगे।

राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू.बुश संवैधानिक रूप से दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ सकते और उप-राष्ट्रपति डिक चेनी ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने से मना कर दिया है- 80 वर्षों में पहली बार ऐसा हो रहा है कि निर्वतमान राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति दोनों ही राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी नहीं हैं। इसका परिणाम यह है कि डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दलों के कई प्रत्याशी राष्ट्रपति पद के नामांकन की दौड़ में हैं। अब लगभग एक वर्ष से चल रही राष्ट्रपति के उत्तराधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया तेज़ हो गई है- राजनीतिक दलों के आगामी कॉकस और प्राइमरी चुनावों के परिणामस्वरूप प्रत्याशी छंट जाएंगे। असल में तो 2008 में इन राज्यवार प्राइमरी चुनावों के कुछ जल्दी होने के कारण प्रमुख दलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए प्रत्याशियों के नाम शायद फ़रवरी में पता चल पाएंगे।

इसके बाद अमेरिकी लोग चुनाव अभियानों के एक लंबे दौर से गुजरेंगे जो राष्ट्रीय नामांकन अधिवेशनों तक चलेगा (डेमोक्रेटिक पार्टी का अधिवेशन डेनेवर, कोलोरेडो में 25 से 28 अगस्त तक चलेगा और रिपब्लिकन अधिवेशन मिन्नियापॉलिस, सेंट पॉल, मिनेसोटा में 1-4 सितंबर तक) और फिर 4 नवंबर को आम चुनाव होगा। चुनाव सम्बन्धी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद 20 जनवरी, 2009 को अमेरिका के नए राष्ट्रपति को पद की शपथ दिलाई जाएगी।

यह प्रक्रिया भारत या किसी भी अन्य देश की चुनाव प्रक्रिया से बहुत लम्बी है। भारतीय अक्सर अमेरिकी राजनीतिक दलों के नेतृत्व के निर्वाचन की लम्बी और जटिल प्रक्रिया की बात करते हैं जो भारत के विपरीत चुनाव से पहले ही संपन्न हो जाती है। लेकिन दोनों देशों में सार्वभौम मतदान पर आधारित लोकतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया से राजनीतिक दलों और नेतृत्व के चुनावों की प्रतिबद्धता साझी है।

अमेरिकियों को सहज ही राजनीतिक चर्चाओं से जुड़ने और अमेरिका की राजनीतिक प्रक्रिया पर अपने विचार व्यक्त करने की आदत है। चुनाव के इस वर्ष में स्पैन अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया के बारे में अनूठी दृष्टि और विश्लेषणों के साथ लेख प्रकाशित करेगा। ''एक अलग शुरुआत'' में मिशेल ऑस्टीन बता रही हैं कि यह चुनाव कुछ अलग, कुछ हटकर क्यों है और प्रत्याशियों का जायजा लेते और प्राइमरीज़ में मतदान करते हुए अमेरिकी क्या सोच रहे हैं। हम प्राइमरी चुनाव प्रक्रिया के बारे में छोटे-छोटे लेखों के साथ ही बेंगलूर में जन्मी एक एकदम नई अमेरिकी नागरिक मालविका जगन्नाथन का अनुभव भी प्रस्तुत कर रहे हैं जो पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान करेंगी।

हमारे संसार की समझदारी के लिए कालातीत के साथ-साथ समसामयिक मामलों की स्वीकृति भी ज़रूरी है, इसलिए इस अंक में हाल के सालों में अमेरिका द्वारा स्थानीय साझेदारों के सहयोग से ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं के चित्र खींचने के लिए दक्षिण और मध्य एशिया की अपनी यात्रा के बारे में एंगस मैक्डॉनल्ड का एक लेख दे रहे हैं। एम्बेसेडर्स फ़ंड फ़ॉर कल्चरल प्रिज़र्वेशन मनुष्य जाति की विरासत के संरक्षण और रक्षा के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता दिखाते हुए इस क्षेत्र के युवाओं के लिए क्षेत्र की गहरी साझी परम्परा को रेखांकित करता है।

नव वर्ष की शुभकामनाएं!